SG StudyForGS.com

YAAD RAKHO SERIES

FREE PDF

UP सहायक अध्यापक (PRT) भर्ती 2026

हिंदी व्याकरण एवं साहित्य

500+ ONE-LINERS

परीक्षा में बार-बार पूछे जाने वाले तथ्य — हर अध्याय में मूल बात, उत्तर हाइलाइट, "अक्सर गलती" ट्रैप बॉक्स और याद रखने की ट्रिक।

UP PRT 2026 | UPTET | CTET | Super TET | UP Police / UPSSSC

01 · वर्ण विचार

02 · संधि

03 · समास

04 · उपसर्ग एवं प्रत्यय

05 · संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण

06 · क्रिया, काल, वाच्य

07 · लिंग, वचन, कारक

08 · अव्यय

09 · शब्द भेद

10 · पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, श्रुतिसम-भिन्नार्थक

11 · वाक्यांश के लिए एक शब्द

12 · मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

13 · वाक्य भेद, वाक्य शुद्धि, विराम चिह्न

14 · रस, छंद, अलंकार

15 · हिंदी साहित्य

15 अध्याय
वर्ण से साहित्य तक

540 प्रश्न-उत्तर
एक-एक लाइन में

ट्रैप + ट्रिक
हर अध्याय में

इस PDF का उपयोग कैसे करें

UP सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा 2026 (UPESSC विज्ञापन 05/2026, परीक्षा 3–4 दिसंबर 2026) में हिंदी, संस्कृत और अंग्रेज़ी को मिलाकर **30 प्रश्न** आते हैं, और हिंदी इंटरमीडिएट (कक्षा 12) स्तर की पूछी जाती है। यह PDF उसी स्तर के सबसे ज़्यादा पूछे जाने वाले तथ्यों को एक-एक लाइन में देती है।

1. मूल बात पढ़ें
हर अध्याय की शुरुआत में 3–4 लाइन में पूरा कॉन्सेप्ट।

2. उत्तर ढककर पढ़ें
हाइलाइट वाला उत्तर हाथ से ढकें, पहले खुद सोचें।

3. ट्रैप बॉक्स ज़रूर देखें
परीक्षा में ज़्यादातर गलती यहीं होती है।

4. टेस्ट से जाँचें
studyforgs.com पर हिंदी सेक्शनल और फ्री Mock 1 दें।

परीक्षा पैटर्न (UP PRT 2026)	विवरण
प्रश्न / अंक / समय	120 प्रश्न · 360 अंक · 2 घंटे · ऑफलाइन OMR
अंकन	सही +3 · गलत −1
हिंदी + संस्कृत + अंग्रेज़ी	**30 प्रश्न (सबसे बड़ा हिस्सा)**
सामान्य ज्ञान / करंट अफेयर्स	25 प्रश्न
गणित	16 प्रश्न

पैटर्न UPESSC की आधिकारिक अधिसूचना पर आधारित है; अंतिम पुष्टि upessc.up.gov.in से करें।

विषय-सूची

01	वर्ण विचार	प्रश्न 1–40
02	संधि	प्रश्न 41–85
03	समास	प्रश्न 86–125
04	उपसर्ग एवं प्रत्यय	प्रश्न 126–175
05	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण	प्रश्न 176–210
06	क्रिया, काल, वाच्य	प्रश्न 211–245
07	लिंग, वचन, कारक	प्रश्न 246–280
08	अव्यय (क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक)	प्रश्न 281–295
09	शब्द भेद: तत्सम-तद्भव, देशज-विदेशज	प्रश्न 296–330
10	पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, श्रुतिसम-भिन्नार्थक	प्रश्न 331–365
11	वाक्यांश के लिए एक शब्द	प्रश्न 366–385
12	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	प्रश्न 386–410
13	वाक्य भेद, वाक्य शुद्धि, विराम चिह्न	प्रश्न 411–430
14	रस, छंद, अलंकार	प्रश्न 431–500

15	हिंदी साहित्य: काल विभाजन, कवि-रचनाएँ, पत्र-पत्रिकाएँ, पुरस्कार	प्रश्न 501–540

SG
UP Assistant Teacher (PRT) 2026 — Full Mock 1 बिल्कुल फ्री। 120 प्रश्न · 360 अंक · +3/−1 · असली पैटर्न पर। हर उत्तर की व्याख्या।
Free Mock दें →

01 वर्ण विचार

Varn Vichar

मूल बात

वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है; वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है।
वर्ण के दो भेद हैं: स्वर (स्वतंत्र उच्चारण) और व्यंजन (स्वर की सहायता से उच्चारण)।
व्यंजन: स्पर्श (क से म तक, 25), अंतःस्थ (य, र, ल, व), ऊष्म (श, ष, स, ह)।
अनुस्वार (ं) नाक से बोला जाता है; अनुनासिक (ँ) में वायु मुख और नाक दोनों से निकलती है।

1. भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि-इकाई, जिसके और खंड न किए जा सकें, क्या कहलाती है?
→ **वर्ण**

2. वर्णों के क्रमबद्ध और व्यवस्थित समूह को क्या कहा जाता है?
→ **वर्णमाला**

3. हिंदी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
→ **देवनागरी** — देवनागरी बाएँ से दाएँ लिखी जाती है।

4. जिन वर्णों का उच्चारण किसी दूसरे वर्ण की सहायता के बिना होता है, वे क्या कहलाते हैं?
→ **स्वर**

5. जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से ही हो पाता है, उन्हें क्या कहते हैं?
→ **व्यंजन**

6. उच्चारण-काल (मात्रा) के आधार पर स्वरों के कितने भेद माने जाते हैं?
→ **तीन — ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत**

7. एक मात्रा का समय लेने वाले स्वर (अ, इ, उ, ऋ) क्या कहलाते हैं?
→ **ह्रस्व स्वर** — इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है।

8. 'ओ३म्' जैसे शब्द में तथा किसी को दूर से पुकारने में किस स्वर का प्रयोग होता है?
→ **प्लुत स्वर** — प्लुत में ह्रस्व से लगभग तिगुना समय लगता है।

9. 'ऐ' स्वर किन दो स्वरों के मेल से बना माना जाता है?
→ **अ + ए** — इसी प्रकार 'औ' = अ + ओ

10. 'अ' स्वर की मात्रा का चिह्न क्या है?
→ **'अ' की कोई मात्रा नहीं होती** — हर व्यंजन में 'अ' पहले से मिला रहता है, जैसे क = क् + अ।

11. उच्चारण के समय मुख पूरा खुलने के कारण 'आ' को किस प्रकार का स्वर कहते हैं?
→ **विवृत स्वर**

12. 'ज़', 'फ़' जैसे वर्णों के नीचे लगाई जाने वाली बिंदी को क्या कहते हैं?
→ **नुक्ता** — यह अरबी-फ़ारसी और अंग्रेज़ी से आई ध्वनियों के लिए लगती है।

13. 'क' से 'म' तक के 25 व्यंजन किस वर्ग में आते हैं?
→ **स्पर्श व्यंजन**

14. 'य, र, ल, व' किस प्रकार के व्यंजन हैं?
→ **अंतःस्थ व्यंजन**

15. 'श, ष, स, ह' को किस प्रकार के व्यंजन कहा जाता है?
→ **ऊष्म व्यंजन** — उच्चारण में घर्षण से गर्म वायु निकलने के कारण यह नाम।

16. 'क्ष' किन वर्णों के मेल से बना है?
→ **क् + ष**

17. 'त्र' का सही वर्ण-विच्छेद क्या है?
→ **त् + र**

18. 'ज्ञ' किन दो वर्णों से मिलकर बना है?
→ **ज् + ञ**

19. स्वर-रहित व्यंजन (जैसे क्) को दिखाने के लिए नीचे लगने वाला तिरछा चिह्न क्या कहलाता है?
→ **हल् (हलंत) चिह्न**

20. 'ड़' और 'ढ़' को किस प्रकार का व्यंजन कहते हैं?
→ **उत्क्षिप्त (द्विगुण) व्यंजन** — ये कभी शब्द के आरंभ में नहीं आते।

21. ङ, ञ, ण, न, म — प्रत्येक वर्ग के इन पाँचवें वर्णों को क्या कहते हैं?
→ **नासिक्य व्यंजन (पंचमाक्षर)**

22. 'गंगा' शब्द में अनुस्वार किस पंचमाक्षर के स्थान पर आया है?
→ **ङ** — अगला वर्ण क-वर्ग का है, इसलिए क-वर्ग का पंचमाक्षर।

23. जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से कम वायु निकलती है, वे क्या कहलाते हैं?
→ **अल्पप्राण** — वर्ग के पहले, तीसरे, पाँचवें वर्ण और य, र, ल, व

24. प्राण-वायु के आधार पर 'ख, घ, छ, झ' किस श्रेणी के व्यंजन हैं?
→ **महाप्राण** — वर्ग के दूसरे-चौथे वर्ण और श, ष, स, ह महाप्राण हैं।

25. जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन होता है, उन्हें क्या कहते हैं?
→ **घोष (सघोष)** — सभी स्वर घोष होते हैं।

26. स्वरतंत्री में कंपन के आधार पर 'क, च, ट, त, प' किस प्रकार के व्यंजन हैं?
→ **अघोष**

27. 'य' और 'व' को उच्चारण की प्रकृति के कारण और क्या कहा जाता है?
→ **अर्धस्वर**

28. 'च, छ, ज, झ' प्रयत्न के आधार पर किस श्रेणी में आते हैं?
→ **स्पर्श-संघर्षी**

29. जीभ के कंपन से बोले जाने के कारण 'र' को कौन-सा व्यंजन कहते हैं?
→ **लुंठित (प्रकंपित)**

30. जीभ के दोनों ओर से वायु निकलने के कारण 'ल' को कौन-सा व्यंजन कहते हैं?
→ **पार्श्विक**

31. 'ट, ठ, ड, ढ, ण' का उच्चारण स्थान क्या है?
→ **मूर्धा (मूर्धन्य)**

32. 'श' का उच्चारण स्थान क्या है?
→ **तालु (तालव्य)** — 'ष' मूर्धन्य और 'स' दंत्य है।

33. 'स' किस उच्चारण स्थान से बोला जाता है?
→ **दाँत (दंत्य)**

34. 'व' का उच्चारण स्थान क्या माना जाता है?
→ **दंतोष्ठ्य (दाँत + होंठ)**

35. 'ए' और 'ऐ' का उच्चारण स्थान क्या है?
→ **कंठ-तालु (कंठतालव्य)**

36. 'ओ' और 'औ' का उच्चारण स्थान क्या है?
→ **कंठ-ओष्ठ (कंठोष्ठ्य)**

37. 'अं' और 'अः' को स्वर और व्यंजन से अलग किस नाम से जाना जाता है?
→ **अयोगवाह**

38. अनुनासिक ध्वनि को लिखने के लिए किस चिह्न का प्रयोग होता है?
→ **चंद्रबिंदु (ँ)** — अनुस्वार का चिह्न केवल बिंदु (ं) है।

39. 'नहीं', 'में' जैसे शब्दों में ऊपर लगी बिंदी अनुस्वार है या अनुनासिक?
→ **अनुनासिक** — शिरोरेखा के ऊपर मात्रा हो तो चंद्रबिंदु की जगह बिंदु लगता है।

40. 'हंस' और 'हँस' में से 'हँसना' क्रिया से जुड़ा शब्द कौन-सा है?
→ **हँस** — 'हंस' एक पक्षी का नाम है।

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'नहीं', 'में', 'मैं' की बिंदी अनुस्वार नहीं, अनुनासिक है — ऊपर मात्रा होने से चंद्रबिंदु बिंदु में बदल जाता है।
- 'ड़' और 'ढ़' कभी शब्द के आरंभ में नहीं आते; 'डमरू', 'ढोल' में बिना बिंदी वाले 'ड', 'ढ' हैं।
- 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' स्वतंत्र मूल वर्ण नहीं, संयुक्त व्यंजन हैं।

💡 याद रखने की ट्रिक

उच्चारण स्थान का सूत्र: 'अ-कु-ह-विसर्ग' = कंठ; 'इ-चु-य-श' = तालु; 'ऋ-टु-र-ष' = मूर्धा; 'लृ-तु-ल-स' = दंत; 'उ-पु' = ओष्ठ (कु = क-वर्ग, चु = च-वर्ग आदि)।

02 संधि Sandhi

मूल बात

दो वर्णों के निकट आने से उनमें होने वाले परिवर्तन (विकार) को संधि कहते हैं।

संधि के तीन भेद हैं: स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

स्वर संधि के पाँच भेद: दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण् और अयादि।

41. 'संधि' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
→ **मेल**

42. संधि से जुड़े शब्दों को अलग करके उनके मूल रूप में लिखना क्या कहलाता है?
→ **संधि-विच्छेद**

43. संधि के मुख्य रूप से कितने भेद हैं?
→ **तीन — स्वर, व्यंजन, विसर्ग**

44. दो सवर्ण (समान) स्वरों के मिलने से उनका दीर्घ रूप बने, तो कौन-सी संधि होती है?
→ **दीर्घ संधि**

45. 'विद्यालय' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **विद्या + आलय (दीर्घ संधि)**

46. 'यशोदा' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **यशः + दा (विसर्ग संधि)** — अः के बाद वर्ग का तीसरा, चौथा या पाँचवाँ वर्ण अथवा य, र, ल, व, ह आए तो विसर्ग 'ओ' बन जाता है।

47. 'रवींद्र' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **रवि + इंद्र (दीर्घ संधि)**

48. 'गिरीश' शब्द किन खंडों से बना है?
→ **गिरि + ईश (दीर्घ संधि)**

49. 'भानूदय' का संधि-विच्छेद लिखिए।
→ **भानु + उदय (दीर्घ संधि)**

50. 'धर्मार्थ' में कौन-सी संधि है?
→ **दीर्घ संधि (धर्म + अर्थ)**

51. अ/आ के बाद इ/ई, उ/ऊ या ऋ आने पर क्रमशः ए, ओ, अर् बनें, तो कौन-सी संधि होती है?
→ **गुण संधि**

52. 'सूर्योदय' का संधि-विच्छेद और संधि का नाम बताइए।
→ **सूर्य + उदय, गुण संधि**

53. 'महेश' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **महा + ईश (गुण संधि)**

54. 'नरेंद्र' में कौन-सी संधि है?
→ **गुण संधि (नर + इंद्र)**

55. 'महोत्सव' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **महा + उत्सव (गुण संधि)**

56. 'देवर्षि' शब्द में अ + ऋ मिलकर क्या बना है?
→ **अर् (देव + ऋषि, गुण संधि)**

57. 'महर्षि' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **महा + ऋषि (गुण संधि)**

58. अ/आ के बाद ए/ऐ आने पर 'ऐ' और ओ/औ आने पर 'औ' बने, तो कौन-सी संधि होती है?
→ **वृद्धि संधि**

59. 'सदैव' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **सदा + एव (वृद्धि संधि)**

60. 'मतैक्य' में कौन-सी संधि है?
→ **वृद्धि संधि (मत + ऐक्य)**

61. 'वनौषधि' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **वन + औषधि (वृद्धि संधि)**

62. 'रामायण' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **राम + अयन** — दीर्घ संधि के साथ 'र' के प्रभाव से 'न' का 'ण' हुआ।

63. इ/ई, उ/ऊ, ऋ के बाद भिन्न स्वर आने पर क्रमशः य्, व्, र् बनें, तो कौन-सी संधि होती है?
→ **यण् संधि**

64. 'इत्यादि' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **इति + आदि (यण् संधि)**

65. 'स्वागत' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **सु + आगत (यण् संधि)**

66. 'प्रत्येक' में कौन-सी संधि है?
→ **यण् संधि (प्रति + एक)**

67. 'पित्राज्ञा' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **पितृ + आज्ञा (यण् संधि)** — ऋ + आ = रा

68. ए, ऐ, ओ, औ के बाद भिन्न स्वर आने पर अय्, आय्, अव्, आव् बनें — यह कौन-सी संधि है?
→ **अयादि संधि**

69. 'नयन' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **ने + अन (अयादि संधि)**

70. 'पावक' किन खंडों से बना है?
→ **पौ + अक (अयादि संधि)** — औ + अ = आव

71. 'पुनर्जन्म' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **पुनः + जन्म (विसर्ग संधि)**

72. 'जगदीश' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **जगत् + ईश (व्यंजन संधि)**

73. 'दिग्गज' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **दिक् + गज (व्यंजन संधि)**

74. 'सदाचार' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **सत् + आचार (व्यंजन संधि)**

75. 'उल्लास' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **उत् + लास (व्यंजन संधि)**

76. 'जगन्नाथ' में त् का न् में बदलना किस संधि का उदाहरण है?
→ **व्यंजन संधि (जगत् + नाथ)**

77. 'उद्धार' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **उत् + हार (व्यंजन संधि)** — त् के बाद ह आने पर 'द्ध' बनता है।

78. 'संतोष' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **सम् + तोष (व्यंजन संधि)**

79. 'अनुच्छेद' में 'छ' से पहले कौन-सा वर्ण जुड़ गया है?
→ **च् (अनु + छेद)** — स्वर के बाद 'छ' आए तो बीच में च् जुड़ जाता है।

80. 'मनोहर' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **मनः + हर (विसर्ग संधि)**

81. 'निश्चल' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
→ **निः + चल (विसर्ग संधि)**

82. 'दुर्गुण' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **दुः + गुण (विसर्ग संधि)**

83. 'नीरोग' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **निः + रोग (विसर्ग संधि)** — र से पहले विसर्ग लुप्त होकर पूर्व स्वर दीर्घ हो जाता है।

84. 'नमस्ते' किस संधि का उदाहरण है?
→ **विसर्ग संधि (नमः + ते)**

85. 'निष्फल' का संधि-विच्छेद क्या है?
→ **निः + फल (विसर्ग संधि)**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'सूर्योदय' और 'महोत्सव' गुण संधि हैं (अ/आ + उ = ओ), दीर्घ नहीं — दीर्घ संधि केवल सवर्ण स्वरों के मेल में होती है।
- 'सम्राट' (सम् + राट्) अपवाद है: यहाँ म् अनुस्वार में नहीं बदलता, इसलिए 'संराट' लिखना गलत है।
- 'नीरस', 'नीरोग' का विच्छेद 'निः + रस', 'निः + रोग' है, 'नि + रस' नहीं।

💡 याद रखने की ट्रिक

गुण में बनें 'ए-ओ-अर्', वृद्धि में 'ऐ-औ' — वृद्धि यानी बढ़ोतरी, इसलिए मात्रा भी डबल। यण् में 'य्-व्-र्' और अयादि में 'अय-आय-अव-आव' बनते हैं।

SG **12 फुल मॉक + 12 सेक्शनल + करंट अफेयर्स टेस्ट** — पूरा UP Teacher Pass सिर्फ ₹129 / 1 वर्ष। हिंदी + English दोनों में।
₹129 Pass देखें →

03 समास

Samas

मूल बात

दो या अधिक शब्दों को मिलाकर एक नया संक्षिप्त शब्द बनाना समास कहलाता है।
समास के छह भेद: अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, द्वंद्व और बहुव्रीहि।
कर्मधारय और द्विगु को तत्पुरुष का उपभेद भी माना जाता है।

86. 'समास' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
→ **संक्षेप**

87. समास के नियमों से बने संक्षिप्त शब्द को क्या कहते हैं?
→ **समस्त पद (सामासिक पद)**

88. समस्त पद के खंडों को अलग करके उनका आपसी संबंध स्पष्ट करना क्या कहलाता है?
→ **समास-विग्रह**

89. जिस समास में पहला पद प्रधान हो और प्रायः अव्यय हो, वह कौन-सा है?
→ **अव्ययीभाव समास**

90. जिस समास में उत्तर पद प्रधान हो और बीच की कारक-विभक्ति लुप्त हो, उसे क्या कहते हैं?
→ **तत्पुरुष समास**

91. किस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं?
→ **द्वंद्व समास**

92. जिस समास में कोई पद प्रधान न होकर कोई तीसरा (अन्य) अर्थ प्रधान हो, वह कौन-सा है?
→ **बहुव्रीहि समास**

93. जिस समास का पहला पद संख्यावाचक हो और पूरा पद समूह का बोध कराए, वह कौन-सा है?
→ **द्विगु समास**

94. विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय संबंध वाले समास को क्या कहते हैं?
→ **कर्मधारय समास**

95. 'यथाशक्ति' का विग्रह और समास बताइए।
→ **शक्ति के अनुसार — अव्ययीभाव**

96. 'प्रतिदिन' में कौन-सा समास है?
→ **अव्ययीभाव (प्रत्येक दिन)**

97. 'आजीवन' का सही समास-विग्रह क्या है?
→ **जीवन पर्यंत (जीवन भर) — अव्ययीभाव**

98. 'भरपेट' किस समास का उदाहरण है?
→ **अव्ययीभाव (पेट भरकर)**

99. 'राजपुत्र' का समास-विग्रह क्या है?
→ **राजा का पुत्र — संबंध तत्पुरुष**

100. 'रसोईघर' में कौन-सा तत्पुरुष समास है?
→ **संप्रदान तत्पुरुष (रसोई के लिए घर)**

101. 'देशनिकाला' का समास-विग्रह क्या होगा?
→ **देश से निकाला — अपादान तत्पुरुष**

102. 'तुलसीकृत' में कौन-सा तत्पुरुष समास है?
→ **करण तत्पुरुष (तुलसी द्वारा कृत)**

103. 'जलमग्न' का समास-विग्रह क्या है?
→ **जल में मग्न — अधिकरण तत्पुरुष**

104. 'स्वर्गप्राप्त' किस तत्पुरुष का उदाहरण है?
→ **कर्म तत्पुरुष (स्वर्ग को प्राप्त)**

105. 'पथभ्रष्ट' का सही समास-विग्रह क्या है?
→ **पथ से भ्रष्ट — अपादान तत्पुरुष**

106. 'हथकड़ी' में कौन-सा तत्पुरुष समास है?
→ **संप्रदान तत्पुरुष (हाथ के लिए कड़ी)**

107. 'असत्य', 'अनपढ़' जैसे निषेधवाचक समस्त पद किस समास में आते हैं?
→ **नञ् तत्पुरुष** — विग्रह: न सत्य, न पढ़ा

108. 'नीलकमल' का समास-विग्रह क्या है?
→ **नीला है जो कमल — कर्मधारय**

109. 'महात्मा' (सामान्य अर्थ में) किस समास का उदाहरण है?
→ **कर्मधारय (महान है जो आत्मा)** — किसी विशेष व्यक्ति के अर्थ में (महान है आत्मा जिसकी) इसे बहुव्रीहि भी माना जाता है।

110. 'चंद्रमुख' का समास-विग्रह क्या है?
→ **चंद्र के समान मुख — कर्मधारय** — उपमान-उपमेय संबंध

111. 'चरणकमल' किस समास का उदाहरण है?
→ **कर्मधारय (कमल के समान चरण)** — उपमान-उपमेय संबंध

112. 'परमेश्वर' का सही समास-विग्रह क्या है?
→ **परम है जो ईश्वर — कर्मधारय**

113. 'चौराहा' में कौन-सा समास है?
→ **द्विगु (चार राहों का समूह)**

114. 'सप्ताह' का समास-विग्रह क्या है?
→ **सात दिनों (अहों) का समूह — द्विगु**

115. 'त्रिलोक' किस समास का उदाहरण है?
→ **द्विगु (तीन लोकों का समूह)**

116. 'नवरत्न' का समास-विग्रह क्या है?
→ **नौ रत्नों का समूह — द्विगु**

117. 'शताब्दी' में कौन-सा समास है?
→ **द्विगु (सौ अब्दों अर्थात् वर्षों का समूह)**

118. 'माता-पिता' का समास-विग्रह क्या है?
→ **माता और पिता — द्वंद्व**

119. 'राम-लक्ष्मण' में कौन-सा समास है?
→ **द्वंद्व (राम और लक्ष्मण)**

120. 'भला-बुरा' (भला या बुरा) किस प्रकार के द्वंद्व का उदाहरण है?
→ **वैकल्पिक द्वंद्व** — विग्रह में 'या/अथवा' आता है।

121. 'चक्रपाणि' का समास-विग्रह क्या है?
→ **चक्र है पाणि में जिसके, अर्थात् विष्णु — बहुव्रीहि** — पाणि = हाथ

122. 'गजानन' में कौन-सा समास है?
→ **बहुव्रीहि (गज जैसा आनन है जिसका, अर्थात् गणेश)**

123. 'वीणापाणि' किसके लिए प्रयुक्त होता है और इसमें कौन-सा समास है?
→ **सरस्वती — बहुव्रीहि** — वीणा है पाणि में जिसके

124. 'नीलकंठ' (शिव के अर्थ में) में कौन-सा समास है?
→ **बहुव्रीहि** — केवल 'नीला कंठ' अर्थ लें तो कर्मधारय।

125. संधि और समास में मूल अंतर क्या है?
→ **संधि वर्णों का मेल है, समास पदों (शब्दों) का मेल**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'नीलकंठ', 'लंबोदर' जैसे पद किसी विशेष (शिव, गणेश) का बोध कराएँ तो बहुव्रीहि; केवल शाब्दिक अर्थ हो तो कर्मधारय।
- पहला पद संख्यावाचक हो तो हर बार द्विगु नहीं — 'समूह' का अर्थ हो तभी द्विगु; किसी विशेष व्यक्ति का बोध हो तो बहुव्रीहि।
- 'सूर्योदय' का संधि-विच्छेद 'सूर्य + उदय' है, जबकि समास-विग्रह 'सूर्य का उदय' — प्रश्न ध्यान से पढ़ें।

💡 याद रखने की ट्रिक

पद-प्रधानता याद रखें: अव्ययीभाव — पहला पद; तत्पुरुष — दूसरा पद; द्वंद्व — दोनों पद; बहुव्रीहि — कोई नहीं (तीसरा अर्थ)। शब्द 'यथा, प्रति, आ, भर' से शुरू हो तो प्रायः अव्ययीभाव।

04 उपसर्ग एवं प्रत्यय

Upsarg evam Pratyay

मूल बात

उपसर्ग शब्द के आरंभ में जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं; प्रत्यय शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं।
उपसर्ग के स्रोत: संस्कृत (तत्सम), हिंदी (तद्भव) तथा अरबी-फारसी (उर्दू) आदि।
प्रत्यय के दो मुख्य भेद: कृत् (धातु के बाद) और तद्धित (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के बाद)।

126. शब्द के आरंभ में जुड़कर उसका अर्थ बदलने वाले शब्दांश क्या कहलाते हैं?
→ **उपसर्ग**

127. शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाने वाले शब्दांश क्या कहलाते हैं?
→ **प्रत्यय**

128. संस्कृत (तत्सम) उपसर्गों की संख्या सामान्यतः कितनी मानी जाती है?
→ **22** — निर्-निस् और दुर्-दुस् अलग-अलग गिने जाते हैं।

129. 'पराजय' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **परा**

130. 'परिश्रम' में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए।
→ **परि**

131. 'अभिमान' किस उपसर्ग से बना है?
→ **अभि**

132. 'निर्धन' में उपसर्ग कौन-सा है?
→ **निर्** — अर्थ — रहित (धन से रहित)।

133. 'दुर्बल' शब्द का उपसर्ग क्या है?
→ **दुर्**

134. 'संयोग' में कौन-सा उपसर्ग जुड़ा है?
→ **सम्**

135. 'उपवन' शब्द में उपसर्ग पहचानिए।
→ **उप**

136. 'अवगुण' में प्रयुक्त उपसर्ग है —
→ **अव**

137. 'प्रतिदिन' शब्द किस उपसर्ग से बना है?
→ **प्रति**

138. 'अनुशासन' में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **अनु**

139. 'आजीवन' में उपसर्ग बताइए।
→ **आ**

140. 'उत्कर्ष' शब्द का उपसर्ग क्या है?
→ **उत्**

141. 'व्याकरण' शब्द में कौन-से दो उपसर्ग हैं?
→ **वि + आ** — वि + आ + करण।

142. 'समालोचना' में प्रयुक्त दो उपसर्ग कौन-से हैं?
→ **सम् + आ**

143. 'पर्यावरण' शब्द में कौन-से उपसर्ग हैं?
→ **परि + आ** — परि + आ + वरण; यण संधि (इ + आ = या) से 'पर्या' बना। 'पर' या 'परा' नहीं।

144. 'उत्' उपसर्ग और 'नति' के मेल से कौन-सा शुद्ध शब्द बनता है?
→ **उन्नति**

145. 'अति' उपसर्ग का अर्थ क्या है?
→ **अधिक / परे** — जैसे — अत्यधिक, अतिरिक्त।

146. 'सु' उपसर्ग किस अर्थ का बोध कराता है?
→ **अच्छा / सुंदर** — जैसे — सुपुत्र, सुगंध।

147. 'निर्' उपसर्ग का अर्थ बताइए।
→ **रहित / बिना** — जैसे — निर्धन, निर्दय।

148. 'अनपढ़' में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **अन** — यह हिंदी (तद्भव) उपसर्ग है।

149. 'अधमरा' शब्द में हिंदी उपसर्ग कौन-सा है?
→ **अध** — अर्थ — आधा।

150. 'उनतीस' में प्रयुक्त उपसर्ग क्या है?
→ **उन** — अर्थ — एक कम।

151. 'निडर' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **नि** — यहाँ 'नि' हिंदी उपसर्ग है, अर्थ — रहित।

152. 'बेईमान' में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **बे** — अरबी-फारसी (उर्दू) उपसर्ग।

153. 'लापरवाह' शब्द में उपसर्ग बताइए।
→ **ला** — अरबी-फारसी (उर्दू) उपसर्ग, अर्थ — बिना।

154. 'गैरहाजिर' में प्रयुक्त उपसर्ग है —
→ **गैर** — अरबी-फारसी (उर्दू) उपसर्ग।

155. 'हमउम्र' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
→ **हम** — अर्थ — साथ / समान।

156. 'अपमानित' में उपसर्ग और प्रत्यय क्रमशः क्या हैं?
→ **अप और इत** — अप + मान + इत।

157. 'निर्दयता' में उपसर्ग और प्रत्यय बताइए।
→ **निर् और ता** — निर् + दया + ता।

158. प्रत्यय के दो मुख्य भेद कौन-से हैं?
→ **कृत् और तद्धित**

159. क्रिया की धातु के अंत में लगने वाले प्रत्यय क्या कहलाते हैं?
→ **कृत् प्रत्यय**

160. संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण के अंत में लगने वाले प्रत्यय कहलाते हैं —
→ **तद्धित प्रत्यय**

161. कृत् प्रत्यय लगकर बने शब्दों को क्या कहते हैं?
→ **कृदंत**

162. 'मिठास' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **आस** — मीठा + आस — तद्धित।

163. 'लिखावट' में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए।
→ **आवट** — लिख (धातु) + आवट — कृत्।

164. 'सामाजिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **इक** — समाज + इक।

165. 'लालिमा' किस प्रत्यय से बना है?
→ **इमा** — लाल + इमा।

166. 'दयालु' में प्रत्यय क्या है?
→ **आलु**

167. 'घबराहट' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है —
→ **आहट** — घबरा (धातु) + आहट — कृत्।

168. 'बिकाऊ' में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **आऊ** — बिक (धातु) + आऊ।

169. 'गवैया' शब्द किस प्रत्यय से बना है?
→ **ऐया** — गा (धातु) + ऐया — कर्तृवाचक कृत्।

170. 'जादूगर' में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **गर** — उर्दू (फारसी) प्रत्यय।

171. 'दुकानदार' शब्द में प्रत्यय पहचानिए।
→ **दार**

172. 'डिबिया' (छोटा डिब्बा) शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **इया** — डिब्बा + इया — ऊनवाचक (लघुतावाचक) तद्धित प्रत्यय।

173. 'ममत्व' में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए।
→ **त्व** — मम + त्व — भाववाचक।

174. 'लड़कपन' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
→ **पन**

175. 'पढ़ाई' में लगा 'आई' कृत् प्रत्यय है या तद्धित?
→ **कृत्** — पढ़ (धातु) + आई।

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'पर्यावरण' में उपसर्ग 'परि' + 'आ' हैं ('पर' या 'परा' नहीं); 'व्याकरण' में भी 'वि' और 'आ' दो उपसर्ग हैं।
- 'अनु' (अनुशासन) और 'अन' (अनपढ़) अलग-अलग उपसर्ग हैं — पहला संस्कृत का, दूसरा हिंदी का।
- 'पढ़ाई', 'लिखावट' में कृत् प्रत्यय है (धातु से बने); 'मिठास', 'लड़कपन' में तद्धित (संज्ञा/विशेषण से बने)।

💡 याद रखने की ट्रिक

उपसर्ग 'आगे', प्रत्यय 'पीछे'। कृत् का 'क' = क्रिया (धातु) के पीछे; बाकी सब (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण) के पीछे = तद्धित।

SG **हिंदी सेक्शनल टेस्ट** (30 प्रश्न, 30 मिनट) — यह PDF पढ़ने के बाद खुद को जाँचें। Test दें →

05 संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण

Sangya, Sarvanam, Visheshan

मूल बात

संज्ञा: किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव का नाम — व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक (समूहवाचक व द्रव्यवाचक जोड़कर पाँच भेद)।

सर्वनाम: संज्ञा के स्थान पर आने वाला शब्द — छह भेद; हिंदी में मूल सर्वनाम 11 हैं।

विशेषण: संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाला शब्द — गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक।

176. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को क्या कहते हैं?
→ **संज्ञा**

177. 'हिमालय' कौन-सी संज्ञा है?
→ **व्यक्तिवाचक संज्ञा**

178. 'मिठास' किस प्रकार की संज्ञा है?
→ **भाववाचक संज्ञा**

179. 'सेना' शब्द किस संज्ञा का उदाहरण है?
→ **समूहवाचक संज्ञा** — कुछ विद्वान इसे जातिवाचक का उपभेद मानते हैं।

180. 'सोना' (धातु) किस प्रकार की संज्ञा है?
→ **द्रव्यवाचक संज्ञा**

181. 'बचपन' शब्द में कौन-सी संज्ञा है?
→ **भाववाचक संज्ञा**

182. 'चढ़ना' क्रिया से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है —
→ **चढ़ाई** — 'चढ़ाव' भी शुद्ध भाववाचक रूप है।

183. 'बूढ़ा' विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाइए।
→ **बुढ़ापा**

184. 'देश को जयचंदों से बचाना है' — यहाँ 'जयचंदों' का प्रयोग किस रूप में है?
→ **व्यक्तिवाचक का जातिवाचक रूप में** — 'जयचंद' = विश्वासघाती व्यक्ति के अर्थ में।

185. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
→ **सर्वनाम**

186. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?
→ **छह** — पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक।

187. हिंदी में मूल सर्वनामों की संख्या कितनी है?
→ **11** — मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कौन, क्या, कोई, कुछ।

188. 'मैं' कौन-से पुरुष का सर्वनाम है?
→ **उत्तम पुरुष**

189. 'तुम' किस पुरुष का सर्वनाम है?
→ **मध्यम पुरुष**

190. जिसके विषय में बात की जाए, उसके लिए आया 'वह' किस पुरुष का है?
→ **अन्य पुरुष**

191. सामने बैठे व्यक्ति के लिए आदर से बोला गया 'आप' किस पुरुष का है?
→ **मध्यम पुरुष**

192. 'मैं यह काम अपने आप कर लूँगा' — 'अपने आप' कौन-सा सर्वनाम है?
→ **निजवाचक सर्वनाम**

193. 'जो परिश्रम करेगा, वह सफल होगा' — 'जो' कौन-सा सर्वनाम है?
→ **संबंधवाचक सर्वनाम**

194. 'दरवाजे पर कोई खड़ा है' — 'कोई' किस प्रकार का सर्वनाम है?
→ **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**

195. 'तुम क्या खा रहे हो?' — 'क्या' कौन-सा सर्वनाम है?
→ **प्रश्नवाचक सर्वनाम**

196. 'यह मेरी पुस्तक है' — 'यह' किस प्रकार का सर्वनाम है?
→ **निश्चयवाचक सर्वनाम** — इसे संकेतवाचक सर्वनाम भी कहते हैं।

197. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
→ **विशेषण**

198. जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे क्या कहते हैं?
→ **विशेष्य**

199. विशेषण के कितने मुख्य भेद हैं?
→ **चार** — गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक।

200. 'काली गाय' में 'काली' कौन-सा विशेषण है?
→ **गुणवाचक विशेषण**

201. 'चार किलो चीनी' में 'चार किलो' कौन-सा विशेषण है?
→ **निश्चित परिमाणवाचक** — मापतौल का बोध हो तो परिमाणवाचक।

202. 'चार छात्र आए' में 'चार' कौन-सा विशेषण है?
→ **निश्चित संख्यावाचक**

203. 'वह लड़का मेहनती है' — 'वह' किस प्रकार का विशेषण है?
→ **सार्वनामिक विशेषण**

204. 'थोड़ा दूध पी लो' — 'थोड़ा' कौन-सा विशेषण है?
→ **अनिश्चित परिमाणवाचक**

205. 'कुछ लोग बाहर खड़े हैं' — 'कुछ' किस प्रकार का विशेषण है?
→ **अनिश्चित संख्यावाचक**

206. 'तीसरा' शब्द संख्यावाचक विशेषण के किस उपभेद में आता है?
→ **क्रमवाचक**

207. 'वह बहुत सुंदर है' — 'बहुत' क्या कहलाता है?
→ **प्रविशेषण** — विशेषण की भी विशेषता बताने वाला शब्द।

208. 'यह घोड़ा तेज है' — विशेष्य के बाद आया 'तेज' कौन-सा विशेषण है?
→ **विधेय विशेषण**

209. विशेषण की तुलना की कितनी अवस्थाएँ होती हैं?
→ **तीन** — मूलावस्था, उत्तरावस्था, उत्तमावस्था।

210. 'लघु' विशेषण की उत्तमावस्था क्या होगी?
→ **लघुतम** — लघु → लघुतर → लघुतम।

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'वह गया' में 'वह' सर्वनाम है, पर 'वह लड़का गया' में 'वह' सार्वनामिक विशेषण है — संज्ञा से पहले आए तो विशेषण।
- 'चार किलो आलू' परिमाणवाचक है, जबकि 'चार आलू' संख्यावाचक — मापतौल हो तो परिमाणवाचक।
- 'आप' तीन रूपों में आता है: आदरसूचक मध्यम पुरुष, अन्य पुरुष (आदर में) और निजवाचक ('मैं आप चला जाऊँगा')।

💡 याद रखने की ट्रिक

विशेषण के चार भेद — 'गुसंपस': गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक।

06 क्रिया, काल, वाच्य

Kriya, Kaal, Vachya

मूल बात

क्रिया: काम का करना या होना बताने वाला शब्द; क्रिया का मूल रूप 'धातु' कहलाता है।
कर्म के आधार पर सकर्मक व अकर्मक; रचना के आधार पर प्रेरणार्थक, संयुक्त, पूर्वकालिक, नामधातु आदि।
काल तीन — भूत (छह भेद), वर्तमान, भविष्यत्; वाच्य तीन — कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

211. जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्या कहते हैं?
→ **क्रिया**

212. क्रिया के मूल रूप को क्या कहा जाता है?
→ **धातु** — जैसे — पढ़, लिख, खा।

213. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद कौन-से हैं?
→ **सकर्मक और अकर्मक**

214. 'बच्चा सोता है' — इसमें कौन-सी क्रिया है?
→ **अकर्मक क्रिया**

215. 'मोहन फल खाता है' — क्रिया का प्रकार बताइए।
→ **सकर्मक क्रिया**

216. 'शिक्षक ने छात्रों को गणित पढ़ाया' — यह किस क्रिया का उदाहरण है?
→ **द्विकर्मक क्रिया** — दो कर्म — 'छात्रों को' और 'गणित'।

217. 'पढ़ना' का प्रथम प्रेरणार्थक रूप क्या है?
→ **पढ़ाना**

218. 'पढ़ना' का द्वितीय प्रेरणार्थक रूप क्या है?
→ **पढ़वाना**

219. 'वह खाना खाकर सो गया' — 'खाकर' कौन-सी क्रिया है?
→ **पूर्वकालिक क्रिया** — धातु + 'कर' से बनती है।

220. 'बच्चा रो पड़ा' — 'रो पड़ा' किस प्रकार की क्रिया है?
→ **संयुक्त क्रिया**

221. संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण से बनी धातु क्या कहलाती है?
→ **नामधातु**

222. 'अपनाना' किस प्रकार की क्रिया है?
→ **नामधातु** — सर्वनाम 'अपना' से बनी।

223. 'लजाना' नामधातु किस संज्ञा से बनी है?
→ **लाज**

224. काल के मुख्य भेद कितने हैं?
→ **तीन** — भूत, वर्तमान, भविष्यत्।

225. भूतकाल के कितने भेद माने जाते हैं?
→ **छह** — सामान्य, आसन्न, पूर्ण, अपूर्ण, संदिग्ध, हेतुहेतुमद्।

226. 'मैंने पत्र लिखा' — इसमें कौन-सा काल है?
→ **सामान्य भूतकाल**

227. 'वह अभी-अभी आया है' — काल का भेद बताइए।
→ **आसन्न भूतकाल**

228. 'मोहन ने खाना खाया था' — यह कौन-सा भूतकाल है?
→ **पूर्ण भूतकाल**

229. 'बच्चे मैदान में खेल रहे थे' — किस काल का उदाहरण है?
→ **अपूर्ण भूतकाल**

230. 'उसने काम कर लिया होगा' — इसमें कौन-सा काल है?
→ **संदिग्ध भूतकाल**

231. 'यदि तुम परिश्रम करते तो सफल हो जाते' — काल का भेद क्या है?
→ **हेतुहेतुमद् भूतकाल** — एक क्रिया दूसरी पर निर्भर।

232. 'माली पौधों को पानी दे रहा है' — कौन-सा काल है?
→ **अपूर्ण (तात्कालिक) वर्तमान**

233. 'पिताजी दफ्तर जाते होंगे' — काल पहचानिए।
→ **संदिग्ध वर्तमान**

234. 'शायद आज वर्षा हो' — यह किस काल का उदाहरण है?
→ **संभाव्य भविष्यत्**

235. 'हम कल मेला देखने जाएँगे' — इसमें कौन-सा काल है?
→ **सामान्य भविष्यत्**

236. वाच्य के कितने भेद हैं?
→ **तीन** — कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

237. 'किसान खेत जोतता है' — यह वाक्य किस वाच्य में है?
→ **कर्तृवाच्य**

238. 'पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया' — वाच्य बताइए।
→ **कर्मवाच्य**

239. 'मुझसे अब बैठा नहीं जाता' — किस वाच्य का उदाहरण है?
→ **भाववाच्य**

240. भाववाच्य में प्रायः किस प्रकार की क्रिया होती है?
→ **अकर्मक क्रिया**

241. कर्मवाच्य में क्रिया के लिंग-वचन किसके अनुसार होते हैं?
→ **कर्म के अनुसार**

242. भाववाच्य में क्रिया सदैव किस लिंग, वचन और पुरुष में रहती है?
→ **पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष**

243. कर्मवाच्य में कर्ता के साथ कौन-से चिह्न लगते हैं?
→ **'से' या 'के द्वारा'**

244. 'सीता गीत गाती है' का कर्मवाच्य रूप क्या होगा?
→ **सीता द्वारा गीत गाया जाता है।**

245. 'बच्चा नहीं सोता' का भाववाच्य रूप बताइए।
→ **बच्चे से सोया नहीं जाता।**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'वह खाकर सोया' में 'खाकर' पूर्वकालिक क्रिया है, संयुक्त क्रिया नहीं।
- 'से/द्वारा' देखकर हर वाक्य को कर्मवाच्य न मानें — क्रिया अकर्मक हो ('मुझसे चला नहीं जाता') तो भाववाच्य होता है।
- 'उसने खाया है' आसन्न भूत है और 'उसने खाया था' पूर्ण भूत — अंत में 'है' तो आसन्न, 'था' तो पूर्ण।

💡 याद रखने की ट्रिक

भूतकाल के 6 भेद याद करें — 'सा-आ-पू-अपू-सं-हे': सामान्य, आसन्न, पूर्ण, अपूर्ण, संदिग्ध, हेतुहेतुमद्।

SG **रोज़ का करंट अफेयर्स + क्विज़** — Telegram पर फ्री: t.me/studyforgeneralstudies Join करें →

07 लिंग, वचन, कारक

Ling, Vachan, Karak

मूल बात

लिंग: हिंदी में दो — पुल्लिंग और स्त्रीलिंग (संस्कृत में नपुंसकलिंग भी होता है)।

वचन: हिंदी में दो — एकवचन और बहुवचन।

कारक: संज्ञा/सर्वनाम का क्रिया से संबंध बताने वाला रूप — आठ भेद; इनके चिह्न 'विभक्ति' या 'परसर्ग' कहलाते हैं।

246. हिंदी में लिंग कितने होते हैं?
→ **दो** — पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

247. 'दही' शब्द किस लिंग का है?
→ **पुल्लिंग** — जैसे — दही खट्टा है।

248. 'आत्मा' शब्द का लिंग बताइए।
→ **स्त्रीलिंग**

249. 'मोती' किस लिंग का शब्द है?
→ **पुल्लिंग**

250. 'सरसों' शब्द का लिंग क्या है?
→ **स्त्रीलिंग**

251. 'विद्वान' का स्त्रीलिंग रूप क्या है?
→ **विदुषी**

252. 'कवि' का शुद्ध स्त्रीलिंग रूप बताइए।
→ **कवयित्री**

253. 'साधु' का स्त्रीलिंग क्या होगा?
→ **साध्वी**

254. 'सम्राट' शब्द का स्त्रीलिंग है —
→ **सम्राज्ञी**

255. 'नाग' का स्त्रीलिंग रूप क्या है?
→ **नागिन**

256. 'देवर' का स्त्रीलिंग बताइए।
→ **देवरानी**

257. 'कोयल' शब्द किस प्रकार का लिंग है?
→ **नित्य स्त्रीलिंग** — नर बताने हेतु 'नर कोयल' कहते हैं।

258. 'खटमल' किस प्रकार का शब्द है?
→ **नित्य पुल्लिंग** — मादा बताने हेतु 'मादा खटमल' कहते हैं।

259. हिंदी में वचन कितने होते हैं?
→ **दो** — एकवचन और बहुवचन।

260. 'नदी' का बहुवचन रूप क्या है?
→ **नदियाँ**

261. 'वधू' का बहुवचन बताइए।
→ **वधुएँ**

262. 'प्राण' शब्द प्रायः किस वचन में प्रयुक्त होता है?
→ **बहुवचन** — जैसे — उसके प्राण निकल गए।

263. 'दूध', 'घी' जैसी द्रव्यवाचक संज्ञाएँ प्रायः किस वचन में आती हैं?
→ **एकवचन**

264. 'गुरुजी आ रहे हैं' — एक व्यक्ति के लिए बहुवचन क्रिया क्यों?
→ **आदर प्रकट करने के लिए**

265. हिंदी में कारक कितने हैं?
→ **आठ**

266. कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न क्या है?
→ **ने** — कई वाक्यों में कर्ता बिना चिह्न के भी आता है।

267. 'ने' चिह्न प्रायः किस क्रिया के साथ लगता है?
→ **सकर्मक क्रिया के भूतकाल में**

268. 'शिकारी ने हिरन को मारा' — 'हिरन को' में कौन-सा कारक है?
→ **कर्म कारक**

269. 'वह चाकू से फल काटता है' — 'चाकू से' में कौन-सा कारक है?
→ **करण कारक** — साधन का बोध।

270. 'पिता ने पुत्र के लिए साइकिल खरीदी' — 'पुत्र के लिए' में कौन-सा कारक है?
→ **संप्रदान कारक**

271. 'भिखारी को भोजन दो' — 'भिखारी को' में कौन-सा कारक है?
→ **संप्रदान कारक** — देने के अर्थ में 'को' संप्रदान का चिह्न है।

272. 'पेड़ से पत्ते गिरते हैं' — 'पेड़ से' में कौन-सा कारक है?
→ **अपादान कारक** — अलग होने का भाव।

273. 'राधा मीरा से लंबी है' — 'मीरा से' में कौन-सा कारक है?
→ **अपादान कारक** — तुलना के अर्थ में 'से' अपादान है।

274. 'यह रमेश का घर है' — 'रमेश का' में कौन-सा कारक है?
→ **संबंध कारक**

275. 'पुस्तक मेज पर रखी है' — 'मेज पर' में कौन-सा कारक है?
→ **अधिकरण कारक**

276. 'हे ईश्वर! हमें शक्ति दो' — 'हे ईश्वर' में कौन-सा कारक है?
→ **संबोधन कारक**

277. 'से' चिह्न किन दो कारकों का होता है?
→ **करण और अपादान**

278. 'को' चिह्न किन दो कारकों में प्रयुक्त होता है?
→ **कर्म और संप्रदान**

279. संबंध कारक के विभक्ति चिह्न क्या हैं?

→ **का, के, की (रा, रे, री)** — सर्वनामों के साथ 'रा, रे, री' (मेरा) और 'ना, ने, नी' (अपना) भी।

280. अधिकरण कारक के विभक्ति चिह्न बताइए।

→ **में, पर**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'से' करण और अपादान दोनों का चिह्न है — साधन हो तो करण, अलगाव या तुलना हो तो अपादान।
- 'को' कर्म और संप्रदान दोनों का चिह्न है — किसी को कुछ देने या किसी के लिए करने के अर्थ में संप्रदान।
- 'कवि' का स्त्रीलिंग 'कवयित्री' शुद्ध है; 'कवियत्री' अशुद्ध है।

💡 याद रखने की ट्रिक

'से' का फैसला: 'क' से करण = कलम से (साधन); 'अ' से अपादान = अलग होना (पेड़ से पत्ता)।

08 अव्यय (क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक)

Avyay

मूल बात

जिन शब्दों का रूप लिंग, वचन, पुरुष, कारक या काल के कारण नहीं बदलता, वे अव्यय (अविकारी शब्द) कहलाते हैं।
मुख्य भेद: क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक; 'ही, भी, तो, तक' जैसे निपात भी अव्यय माने जाते हैं।
अर्थ के आधार पर क्रियाविशेषण के चार भेद: कालवाचक, स्थानवाचक, परिमाणवाचक, रीतिवाचक।

281. लिंग, वचन और काल बदलने पर भी जिन शब्दों का रूप न बदले, वे क्या कहलाते हैं?
→ **अव्यय (अविकारी शब्द)**

282. 'बच्चा धीरे-धीरे चलता है' — 'धीरे-धीरे' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
→ **रीतिवाचक क्रियाविशेषण** — यह क्रिया होने का ढंग बताता है।

283. 'कल', 'आज', 'अभी' किस प्रकार के क्रियाविशेषण हैं?
→ **कालवाचक क्रियाविशेषण**

284. 'यहाँ', 'वहाँ', 'इधर' जैसे शब्द किस क्रियाविशेषण के उदाहरण हैं?
→ **स्थानवाचक क्रियाविशेषण**

285. 'वह बहुत बोलता है' — इस वाक्य में 'बहुत' क्या है?
→ **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण** — 'बहुत दूध' में यही शब्द परिमाणवाचक विशेषण होगा।

286. 'पेड़ के नीचे गाय बैठी है' — 'के नीचे' कौन-सा अव्यय है?
→ **संबंधबोधक अव्यय**

287. 'राम और श्याम विद्यालय गए' — 'और' किस प्रकार का समुच्चयबोधक है?
→ **समानाधिकरण (संयोजक) समुच्चयबोधक**

288. 'वह मेहनती है, परंतु भाग्य ने साथ नहीं दिया' — 'परंतु' कौन-सा समुच्चयबोधक है?
→ **विरोधदर्शक (समानाधिकरण) समुच्चयबोधक**

289. 'चाय लोगे या कॉफी?' — 'या' समुच्चयबोधक का कौन-सा उपभेद है?
→ **विभाजक (समानाधिकरण) समुच्चयबोधक**

290. 'यदि तुम पढ़ोगे तो सफल होगे' — 'यदि...तो' किस प्रकार का समुच्चयबोधक है?
→ **संकेतवाचक (व्यधिकरण) समुच्चयबोधक**

291. 'मैं जानता हूँ कि वह ईमानदार है' — 'कि' कौन-सा समुच्चयबोधक है?
→ **स्वरूपवाचक (व्यधिकरण) समुच्चयबोधक**

292. 'वाह! कितना सुंदर दृश्य है' — 'वाह' कौन-सा भाव प्रकट करता है?
→ **हर्ष (हर्षबोधक विस्मयादिबोधक)** — कुछ पुस्तकें 'वाह' को प्रशंसाबोधक विस्मयादिबोधक में भी रखती हैं।

293. विस्मयादिबोधक 'हाय!' प्रायः किस मनोभाव को व्यक्त करता है?
→ **शोक**

294. 'छिः!' किस भाव को प्रकट करने वाला विस्मयादिबोधक है?
→ **घृणा (तिरस्कार)**

295. 'ही', 'भी', 'तो', 'तक' — किसी बात पर बल देने वाले ये शब्द क्या कहलाते हैं?
→ **निपात**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'बहुत', 'थोड़ा' क्रिया के साथ आएँ (बहुत बोलता है) तो परिमाणवाचक क्रियाविशेषण; संज्ञा के साथ आएँ (बहुत दूध) तो परिमाणवाचक विशेषण।
- 'ऊपर', 'नीचे', 'पास' अकेले आएँ (वह ऊपर बैठा है) तो स्थानवाचक क्रियाविशेषण; संज्ञा के बाद 'के' सहित आएँ (छत के ऊपर) तो संबंधबोधक।
- 'इसलिए/अतः' समानाधिकरण (परिणामदर्शक) समुच्चयबोधक है, जबकि 'क्योंकि' व्यधिकरण (कारणवाचक) — दोनों को एक वर्ग में न रखें।

💡 याद रखने की ट्रिक

क्रियाविशेषण पहचानो — कब? = कालवाचक, कहाँ? = स्थानवाचक, कितना? = परिमाणवाचक, कैसे? = रीतिवाचक।

SG **UP Assistant Teacher (PRT) 2026 — Full Mock 1 बिल्कुल फ्री।** 120 प्रश्न · 360 अंक · +3/−1 · असली पैटर्न पर। हर उत्तर की व्याख्या। Free Mock दें →

09 शब्द भेद: तत्सम-तद्भव, देशज-विदेशज

Shabd Bhed (Srot ke aadhar par)

मूल बात

स्रोत (उत्पत्ति) के आधार पर हिंदी शब्द मुख्यतः चार प्रकार के हैं — तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज।

तत्सम = संस्कृत का ज्यों-का-त्यों शब्द (अग्नि); तद्भव = संस्कृत से रूप बदलकर बना शब्द (आग)।

देशज = स्थानीय बोलियों से उपजे शब्द (लोटा); विदेशज = अरबी, फारसी, तुर्की, पुर्तगाली, अंग्रेजी आदि से आए शब्द (कुर्सी, चाबी)।

296. संस्कृत के जो शब्द हिंदी में बिना रूप बदले प्रयोग होते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?
→ **तत्सम शब्द**

297. संस्कृत से निकलकर बदले हुए रूप में हिंदी में आए शब्द क्या कहलाते हैं?
→ **तद्भव शब्द**

298. उत्पत्ति (स्रोत) के आधार पर हिंदी शब्दों के मुख्यतः कितने भेद माने जाते हैं?
→ **चार** — कुछ पुस्तकें 'संकर' शब्दों को पाँचवाँ भेद मानती हैं।

299. 'अग्नि' का तद्भव रूप क्या है?
→ **आग**

300. तद्भव शब्द 'काम' का तत्सम रूप लिखिए।
→ **कर्म**

301. 'दूध' किस तत्सम शब्द से बना है?
→ **दुग्ध**

302. 'उष्ट्र' का तद्भव रूप क्या होगा?
→ **ऊँट**

303. 'आँसू' का तत्सम रूप क्या है?
→ **अश्रु**

304. 'घृत' शब्द का तद्भव रूप बताइए।
→ **घी**

305. 'मोर' का तत्सम रूप क्या है?
→ **मयूर**

306. 'क्षेत्र' का तद्भव रूप क्या है?
→ **खेत**

307. 'गेहूँ' किस तत्सम शब्द से विकसित हुआ है?
→ **गोधूम**

308. 'काष्ठ' का तद्भव रूप लिखिए।
→ **काठ**

309. संख्यावाचक तद्भव 'सात' का तत्सम रूप क्या है?
→ **सप्त**

310. 'मक्षिका' से कौन-सा तद्भव शब्द बना है?
→ **मक्खी**

311. 'होंठ' का तत्सम रूप क्या है?
→ **ओष्ठ**

312. 'कुंभकार' का तद्भव रूप क्या है?
→ **कुम्हार**

313. 'जीभ' का तत्सम रूप लिखिए।
→ **जिह्वा**

314. 'श्वसुर' का तद्भव रूप क्या है?
→ **ससुर**

315. 'अंधकार' का तद्भव रूप बताइए।
→ **अँधेरा**

316. 'नींद' किस तत्सम शब्द का तद्भव है?
→ **निद्रा**

317. 'हस्त' का तद्भव रूप क्या है?
→ **हाथ**

318. 'आम्र' से कौन-सा तद्भव शब्द बना है?
→ **आम**

319. स्थानीय बोलियों से उपजे, जिनका संस्कृत स्रोत ज्ञात न हो, ऐसे शब्द क्या कहलाते हैं?
→ **देशज शब्द**

320. 'लोटा', 'ठेठ', 'तेंदुआ' किस वर्ग के शब्द हैं?
→ **देशज**

321. विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए शब्दों को क्या कहते हैं?
→ **विदेशज (आगत) शब्द**

322. 'कुर्सी' शब्द हिंदी में किस भाषा से आया है?
→ **अरबी**

323. 'चाकू', 'कैंची' और 'तोप' किस भाषा के शब्द हैं?
→ **तुर्की**

324. 'कमरा', 'चाबी', 'बाल्टी' किस भाषा से हिंदी में आए?
→ **पुर्तगाली**

325. 'रिक्शा' शब्द मूलतः किस भाषा का है?
→ **जापानी**

326. 'चाय' और 'लीची' किस भाषा से आए शब्द हैं?
→ **चीनी**

327. 'लालटेन' शब्द किस विदेशी भाषा से आया है?
→ **अंग्रेजी** — अंग्रेजी 'लैंटर्न' से।

328. 'चश्मा' और 'गुलाब' किस भाषा के शब्द हैं?
→ **फारसी**

329. 'किताब' और 'अदालत' शब्द किस भाषा से लिए गए हैं?

→ **अरबी**

330. 'रेलगाड़ी' जैसे दो भिन्न भाषाओं के मेल से बने शब्द क्या कहलाते हैं?

→ **संकर शब्द** — अंग्रेजी 'रेल' + हिंदी 'गाड़ी'।

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'अग्नि' तत्सम है और 'आग' तद्भव — क्ष, त्र, ष, ऋ जैसे वर्ण प्रायः तत्सम की पहचान होते हैं (क्षेत्र → खेत)।
- 'कुर्सी' अरबी, 'चाकू/कैंची' तुर्की और 'कमरा/चाबी' पुर्तगाली हैं — इन्हें फारसी मान लेना आम भूल है।
- 'रेलगाड़ी' शुद्ध विदेशज नहीं, संकर शब्द है (अंग्रेजी + हिंदी)।

💡 याद रखने की ट्रिक

पुर्तगाली याद रखो — 'कमरे में चाबी, बाल्टी और तौलिया' — चारों शब्द पुर्तगाली हैं।

10 पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, श्रुतिसम-भिन्नार्थक

Paryayvachi, Vilom, Anekarthi, Shrutisam-Bhinnarthak

मूल बात

पर्यायवाची: समान अर्थ वाले शब्द (सूर्य — दिनकर, भास्कर); विलोम: उलटा अर्थ देने वाले शब्द (आस्तिक — नास्तिक)।
अनेकार्थी: एक शब्द, अनेक अर्थ (अंबर — आकाश, वस्त्र)।
श्रुतिसम-भिन्नार्थक: सुनने में लगभग समान पर अर्थ में भिन्न शब्द (कुल — वंश, कूल — किनारा)।

331. 'जलज', 'पंकज', 'सरोज' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **कमल**

332. 'दिनकर', 'भास्कर', 'दिवाकर' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **सूर्य**

333. 'सुधाकर', 'शशि', 'राकेश' किसके पर्याय हैं?
→ **चंद्रमा**

334. 'अनल', 'पावक', 'कृशानु' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **अग्नि**

335. 'सुरपति', 'देवराज', 'पुरंदर' — ये किस देवता के नाम हैं?
→ **इंद्र**

336. 'नीरद', 'जलद', 'पयोद' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **बादल**

337. 'तुरंग', 'अश्व', 'घोटक' किस पशु के पर्याय हैं?
→ **घोड़ा**

338. 'गज', 'हस्ती', 'कुंजर' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **हाथी**

339. 'सरिता', 'तटिनी', 'तरंगिणी' किसके पर्यायवाची हैं?
→ **नदी**

340. 'वारिधि', 'जलधि', 'रत्नाकर' किसके पर्याय हैं?
→ **समुद्र**

341. 'आस्तिक' का विलोम शब्द क्या है?
→ **नास्तिक**

342. 'उत्कर्ष' का विलोम लिखिए।
→ **अपकर्ष**

343. 'अनुराग' का विलोम क्या है?
→ **विराग**

344. 'आदान' का विलोम शब्द बताइए।
→ **प्रदान**

345. 'सजीव' का विलोम क्या है?
→ **निर्जीव**

346. 'कृतज्ञ' का विलोम क्या होगा?
→ **कृतघ्न**

347. 'स्वाधीन' का विलोम शब्द क्या है?
→ **पराधीन**

348. 'सुगम' का विलोम क्या है?
→ **दुर्गम**

349. 'आविर्भाव' का विलोम शब्द लिखिए।
→ **तिरोभाव**

350. 'निरक्षर' का विलोम क्या है?
→ **साक्षर**

351. 'उन्नति' का विलोम शब्द क्या है?
→ **अवनति**

352. अनेकार्थी शब्द 'अंबर' के दो अर्थ बताइए।
→ **आकाश, वस्त्र**

353. 'कनक' शब्द के दो अर्थ क्या हैं?
→ **सोना, धतूरा**

354. 'अर्थ' शब्द के दो प्रचलित अर्थ बताइए।
→ **मतलब (आशय), धन**

355. 'गुरु' शब्द किन दो अर्थों में प्रयुक्त होता है?
→ **शिक्षक, भारी**

356. 'पत्र' शब्द के दो अर्थ क्या हैं?
→ **पत्ता, चिट्ठी**

357. 'दल' शब्द के दो अर्थ लिखिए।
→ **पत्ता (पंखुड़ी), समूह**

358. 'तीर' शब्द के दो अर्थ क्या हैं?
→ **बाण, किनारा**

359. 'अन्न' और 'अन्य' का अर्थभेद स्पष्ट कीजिए।
→ **अन्न = अनाज, अन्य = दूसरा**

360. 'कुल' और 'कूल' में क्या अर्थभेद है?
→ **कुल = वंश, कूल = किनारा**

361. 'दिन' और 'दीन' का अर्थ क्या है?
→ **दिन = दिवस, दीन = गरीब**

362. 'अनिल' और 'अनल' में अर्थ का अंतर बताइए।
→ **अनिल = हवा, अनल = आग**

363. 'सकल' और 'शकल' के अर्थ लिखिए।
→ **सकल = सब (संपूर्ण), शकल = टुकड़ा (खंड)** — चेहरे के अर्थ में शुद्ध शब्द 'शक्ल' है, 'शकल' नहीं।

364. 'ग्रह' और 'गृह' में क्या अंतर है?
→ **ग्रह = आकाशीय पिंड, गृह = घर**

365. 'प्रसाद' और 'प्रासाद' का अर्थभेद बताइए।
→ **प्रसाद = कृपा (भोग), प्रासाद = महल**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'अनल' = आग और 'अनिल' = हवा — परीक्षा में इन दोनों के अर्थ अक्सर उलट दिए जाते हैं।
- 'जलद' = बादल (जल देने वाला), जबकि 'जलज' = कमल (जल में जन्मा) — एक अक्षर का अंतर पूरा अर्थ बदल देता है।
- 'प्रासाद' (महल) और 'प्रसाद' (कृपा) तथा 'गृह' (घर) और 'ग्रह' (आकाशीय पिंड) — मात्रा या वर्ण के छोटे अंतर पर ध्यान दें।

💡 याद रखने की ट्रिक

अंत देखो — '-ज' = जन्मा (जलज, पंकज = कमल), '-द' = देने वाला (जलद, नीरद, पयोद = बादल), '-धि' = भंडार (जलधि, वारिधि = समुद्र)।

SG **12 फुल मॉक + 12 सेक्शनल + करंट अफेयर्स टेस्ट** — पूरा UP Teacher Pass सिर्फ ₹129 / 1 वर्ष। हिंदी + English दोनों में।
₹129 Pass देखें →

11 वाक्यांश के लिए एक शब्द

Vakyansh ke liye Ek Shabd

मूल बात

कई शब्दों वाले वाक्यांश का पूरा भाव एक ही शब्द से प्रकट करना 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' कहलाता है।
इससे भाषा संक्षिप्त, सुगठित और प्रभावी बनती है — जैसे 'जिसका कोई शत्रु न हो' = अजातशत्रु।

366. जिसका कोई शत्रु न हो, उसे क्या कहते हैं?
→ **अजातशत्रु**

367. जो सदा दूसरों के दोष ही ढूँढता रहे — एक शब्द?
→ **छिद्रान्वेषी**

368. जो पहले कभी न हुआ हो, उसके लिए एक शब्द क्या है?
→ **अभूतपूर्व**

369. जिसे जीता न जा सके, उसे क्या कहेंगे?
→ **अजेय**

370. सोच-समझकर कम खर्च करने वाला व्यक्ति क्या कहलाता है?
→ **मितव्ययी**

371. जो सब कुछ जानता हो, उसके लिए एक शब्द?
→ **सर्वज्ञ**

372. जो आँखों के सामने हो — इसके लिए एक शब्द?
→ **प्रत्यक्ष**

373. दोपहर के बाद के समय को एक शब्द में क्या कहते हैं?
→ **अपराह्न**

374. दोपहर से पहले का समय क्या कहलाता है?
→ **पूर्वाह्न**

375. जिस पुरुष की पत्नी का देहांत हो गया हो, वह क्या कहलाता है?
→ **विधुर**

376. जिसके हाथ में चक्र हो — इसके लिए एक शब्द?
→ **चक्रपाणि** — विष्णु/कृष्ण के लिए प्रयुक्त।

377. जिसका कोई आदि (आरंभ) न हो, उसे क्या कहते हैं?
→ **अनादि**

378. मोक्ष की इच्छा रखने वाला व्यक्ति क्या कहलाता है?
→ **मुमुक्षु**

379. कुछ जानने की इच्छा को एक शब्द में क्या कहते हैं?
→ **जिज्ञासा**

380. पानी पीने की इच्छा के लिए एक शब्द क्या है?
→ **पिपासा**

381. जो पहले जन्मा हो (बड़ा भाई) — एक शब्द?
→ **अग्रज**

382. जो शरण में आया हो, उसे क्या कहते हैं?
→ **शरणागत**

383. जिसका कोई आकार न हो, उसके लिए एक शब्द?
→ **निराकार**

384. आवश्यकता से अधिक बोलने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं?
→ **वाचाल**

385. 'अतिथि' शब्द किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होता है?
→ **जिसके आने की तिथि निश्चित न हो**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'अपराह्न' = दोपहर के बाद, 'पूर्वाह्न' = दोपहर से पहले, 'मध्याह्न' = दोपहर — वर्तनी 'ह्न' से लिखें, 'न्ह' से नहीं।
- 'विधुर' = जिसकी पत्नी न रही हो; 'विधवा' = जिसका पति न रहा हो — दोनों को उलटें नहीं।
- 'अग्रज' = पहले जन्मा (बड़ा), 'अनुज' = बाद में जन्मा (छोटा)।

💡 याद रखने की ट्रिक

इच्छा वाले शब्द — 'जिज्ञासा, पिपासा, बुभुक्षा, मुमुक्षा' = इच्छा; अंत में '-उ' लगे तो इच्छा रखने वाला: जिज्ञासु, पिपासु, बुभुक्षु, मुमुक्षु।

12 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

Muhavare evam Lokoktiyan

मूल बात

मुहावरा ऐसा वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर कोई विशेष (लाक्षणिक) अर्थ देता है।
मुहावरा अकेले नहीं, वाक्य के भीतर ही प्रयोग होता है; प्रयोग में उसकी क्रिया लिंग-वचन-काल के अनुसार बदलती है।
लोकोक्ति (कहावत) अपने आप में पूर्ण वाक्य होती है और लोक-अनुभव पर आधारित होती है; इसका स्वतंत्र प्रयोग होता है।

386. 'मुहावरा' मूल रूप से किस भाषा का शब्द है?
→ **अरबी** — इसका अर्थ है — अभ्यास या बातचीत।

387. लोकोक्ति को सामान्य बोलचाल में और किस नाम से जाना जाता है?
→ **कहावत** — लोक + उक्ति = लोक में प्रचलित कथन।

388. मुहावरा पूर्ण वाक्य होता है या वाक्यांश?
→ **वाक्यांश** — लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है।

389. 'आँख का तारा' मुहावरे का अर्थ क्या है?
→ **बहुत प्यारा**

390. 'ईद का चाँद होना' का सही अर्थ बताइए।
→ **बहुत दिनों बाद दिखाई देना**

391. 'भाग जाना' अर्थ किस मुहावरे से प्रकट होता है — 'नौ दो ग्यारह होना' या 'तीन-तेरह होना'?
→ **नौ दो ग्यारह होना** — 'तीन-तेरह होना' = तितर-बितर होना।

392. 'दाँतों तले उँगली दबाना' का अर्थ क्या है?
→ **आश्चर्यचकित होना**

393. 'गागर में सागर भरना' का प्रयोग किस भाव के लिए होता है?
→ **थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कह देना**

394. 'आस्तीन का साँप' किसे कहा जाता है?
→ **कपटी मित्र / विश्वासघाती**

395. 'टेढ़ी खीर' मुहावरे का अर्थ लिखिए।
→ **कठिन काम**

396. 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' का अर्थ है —
→ **बुद्धि भ्रष्ट होना**

397. 'घी के दीये जलाना' किस अवसर का भाव बताता है?
→ **खुशियाँ मनाना**

398. 'जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना' किस मुहावरे का अर्थ है?
→ **ओखली में सिर देना**

399. 'पानी-पानी होना' का अर्थ क्या है?
→ **बहुत लज्जित होना**

400. 'दाल में काला होना' का अर्थ बताइए।
→ **संदेह की बात होना**

401. 'कान भरना' मुहावरे का सही अर्थ है —
→ **चुगली करना**

402. 'लोहे के चने चबाना' किस स्थिति के लिए प्रयुक्त होता है?
→ **बहुत कठिन संघर्ष करना**

403. 'हाथ कंगन को आरसी क्या' लोकोक्ति का आशय क्या है?
→ **प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं** — आरसी = दर्पण।

404. 'अधजल गगरी छलकत जाय' किसके लिए कहा जाता है?
→ **कम ज्ञान वाला अधिक दिखावा करता है**

405. 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' का भाव क्या है?
→ **अपनी अयोग्यता का दोष दूसरों पर डालना**

406. 'अवसर बीत जाने पर पछताना व्यर्थ है' — यह भाव किस लोकोक्ति का है?
→ **अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत**

407. 'ऊँट के मुँह में जीरा' का अर्थ क्या है?
→ **आवश्यकता से बहुत कम मिलना**

408. 'वस्तु एक, चाहने वाले अनेक' — इस भाव की लोकोक्ति कौन-सी है?
→ **एक अनार सौ बीमार**

409. 'आम के आम गुठलियों के दाम' का आशय है —
→ **दोहरा लाभ**

410. 'उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे' का अर्थ क्या है?
→ **दोषी का ही निर्दोष पर दोष लगाना**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- मुहावरा वाक्यांश है, स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता; लोकोक्ति पूर्ण वाक्य है, अकेले भी बोली जाती है — दोनों को एक न समझें।
- 'आँखें दिखाना' = क्रोध से देखना, पर 'आँखें चुराना' = सामने आने से कतराना; 'ईद का चाँद होना' = बहुत दिनों बाद दिखना, पर 'चार चाँद लगाना' = शोभा बढ़ाना।
- मुहावरे के शब्द बदले नहीं जाते — 'नौ दो ग्यारह' को 'आठ तीन ग्यारह' कहने से मुहावरा नहीं बनता।

💡 याद रखने की ट्रिक

Muhavara adhoora (वाक्यांश), Lokokti poori (पूरा वाक्य) — 'लोक की पूरी उक्ति'।

SG **हिंदी सेक्शनल टेस्ट** (30 प्रश्न, 30 मिनट) — यह PDF पढ़ने के बाद खुद को जाँचें। Test दें →

13 वाक्य भेद, वाक्य शुद्धि, विराम चिह्न Vakya Bhed, Vakya Shuddhi, Viram Chinh

मूल बात

सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह, जो पूरा भाव प्रकट करे, वाक्य कहलाता है; इसके दो अंग हैं — उद्देश्य और विधेय।
रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के हैं — सरल, संयुक्त और मिश्र।
अर्थ के आधार पर आठ भेद — विधानवाचक, निषेधवाचक, प्रश्नवाचक, आज्ञावाचक, विस्मयादिबोधक, इच्छावाचक, संदेहवाचक, संकेतवाचक।

411. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
→ **तीन — सरल, संयुक्त, मिश्र**

412. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद माने जाते हैं?
→ **आठ**

413. वाक्य के दो मुख्य अंग कौन-से हैं?
→ **उद्देश्य और विधेय** — जिसके बारे में कहा जाए — उद्देश्य; जो कहा जाए — विधेय।

414. 'जो परिश्रम करता है, वह सफल होता है।' — रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए।
→ **मिश्र वाक्य** — एक प्रधान और एक आश्रित उपवाक्य है।

415. 'वह बाज़ार गया और फल लेकर लौट आया।' — रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए।
→ **संयुक्त वाक्य** — 'और' दो स्वतंत्र उपवाक्यों को जोड़ रहा है।

416. 'शायद आज वर्षा हो।' — अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद क्या है?
→ **संदेहवाचक वाक्य**

417. 'यदि तुम पढ़ते तो उत्तीर्ण हो जाते।' — अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताइए।
→ **संकेतवाचक वाक्य** — एक क्रिया दूसरी पर निर्भर है; रचना के आधार पर यह मिश्र वाक्य है।

418. 'मैंने देखा कि वह रो रहा था।' — अंश 'कि वह रो रहा था' कौन-सा उपवाक्य है?
→ **संज्ञा उपवाक्य** — यह 'देखा' क्रिया का कर्म बना है।

419. शुद्ध रूप लिखिए: 'मेरे को घर जाना है।'
→ **मुझे घर जाना है।**

420. शुद्ध रूप लिखिए: 'मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।'
→ **मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।** — 'दर्शन' सदा बहुवचन में प्रयुक्त होता है।

421. शुद्ध रूप लिखिए: 'प्रत्येक छात्रों ने खेल में भाग लिया।'
→ **प्रत्येक छात्र ने खेल में भाग लिया।** — 'प्रत्येक' के साथ एकवचन आता है।

422. शुद्ध रूप लिखिए: 'सीता ने गाना गाई।'
→ **सीता ने गाना गाया।** — 'ने' होने पर क्रिया कर्म (गाना) के अनुसार बदलती है।

423. शुद्ध रूप लिखिए: 'मैंने तुम्हें दस रुपये दिया।'
→ **मैंने तुम्हें दस रुपये दिए।**

424. शुद्ध रूप लिखिए: 'उसने मुझे एक गोपनीय रहस्य बताया।'
→ **उसने मुझे एक रहस्य बताया।** — 'रहस्य' स्वयं गोपनीय होता है — पुनरुक्ति दोष।

425. शुद्ध रूप लिखिए: 'कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।'
→ **आज का अवकाश देने की कृपा करें।** — 'कृपया' और 'कृपा' एक साथ — पुनरुक्ति। 'कृपया आज का अवकाश दें।' भी शुद्ध है।

426. हिंदी में पूर्ण विराम का चिह्न कौन-सा है?
→ **। (खड़ी पाई)**

427. अल्प विराम का चिह्न क्या है?
→ **, (कॉमा)**

428. अर्धविराम के लिए कौन-सा चिह्न प्रयोग होता है?
→ **;**

429. 'माता-पिता', 'दिन-रात' में शब्दों के बीच लगे चिह्न का नाम क्या है?
→ **योजक चिह्न (-)**

430. 'डॉ०', 'पं०' जैसे संक्षिप्त रूपों में लगने वाला चिह्न क्या कहलाता है?
→ **लाघव चिह्न (०)**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'दर्शन, प्राण, हस्ताक्षर, होश' सदा बहुवचन में आते हैं — 'आपके दर्शन हुए', 'आपका दर्शन हुआ' नहीं।
- संयुक्त वाक्य के उपवाक्य स्वतंत्र होते हैं ('और, पर, किंतु, या' से जुड़े); मिश्र वाक्य में एक उपवाक्य आश्रित होता है ('जो, कि, यदि, जब, क्योंकि')।
- 'ने' वाले भूतकालिक सकर्मक वाक्य में क्रिया कर्ता के नहीं, कर्म के लिंग-वचन से चलती है — 'राम ने रोटी खाई'; पर कर्म के साथ 'को' हो तो क्रिया पुल्लिंग एकवचन रहती है — 'राम ने सीता को देखा'।

💡 याद रखने की ट्रिक

'और' जोड़े तो संयुक्त, 'जो-कि' लाए तो मिश्र, एक ही क्रिया तो सरल।

14 रस, छंद, अलंकार

Ras, Chhand, Alankar

मूल बात

रस — काव्य पढ़ने-सुनने से मिलने वाला आनंद; इसके चार अंग हैं — स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।

छंद — वर्ण, मात्रा, यति, गति और तुक के नियमों में बँधी रचना; मुख्य भेद मात्रिक और वर्णिक।

अलंकार — काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्त्व; मुख्य भेद शब्दालंकार और अर्थालंकार।

431. रस के कितने अंग माने जाते हैं?
→ **चार** — स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव

432. रस-सूत्र 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' किस आचार्य ने दिया?
→ **भरतमुनि** — ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र'; इसमें नाट्य के आठ रस बताए गए

433. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' — रस को काव्य का प्राण बताने वाली यह परिभाषा किसकी है?
→ **आचार्य विश्वनाथ** — ग्रंथ 'साहित्यदर्पण'

434. किस रस को 'रसराज' कहा जाता है?
→ **शृंगार रस**

435. शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है?
→ **रति**

436. हास्य रस का स्थायी भाव बताइए।
→ **हास** — 'हँसी' या 'हास्य' नहीं, शुद्ध उत्तर 'हास'

437. 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है?
→ **करुण रस**

438. 'क्रोध' स्थायी भाव से कौन-सा रस बनता है?
→ **रौद्र रस**

439. वीर रस का स्थायी भाव क्या है?
→ **उत्साह**

440. भयानक रस का स्थायी भाव कौन-सा है?
→ **भय**

441. 'जुगुप्सा' (घृणा) किस रस का स्थायी भाव है?
→ **वीभत्स रस**

442. अद्भुत रस का स्थायी भाव बताइए।
→ **विस्मय** — विस्मय = आश्चर्य

443. 'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है?
→ **शांत रस** — निर्वेद = संसार से वैराग्य; कुछ पुस्तकों में 'शम' भी लिखा मिलता है

444. वात्सल्य रस का स्थायी भाव क्या है?
→ **वत्सल** — कई पुस्तकों में 'वत्सलता' या 'वात्सल्य' भी; इसे संतान-विषयक रति भी कहते हैं

445. भक्ति रस का स्थायी भाव क्या माना जाता है?
→ **भगवद्विषयक रति** — अर्थात ईश्वर के प्रति अनुराग

446. संचारी भावों की कुल संख्या कितनी मानी गई है?
→ **33 (तैंतीस)** — ये क्षणिक होते हैं, स्थायी भाव को पुष्ट करते हैं

447. संचारी भावों को दूसरे किस नाम से जाना जाता है?
→ **व्यभिचारी भाव**

448. शृंगार रस के दो भेद कौन-से हैं?
→ **संयोग शृंगार और वियोग शृंगार**

449. वियोग शृंगार का दूसरा नाम क्या है?
→ **विप्रलंभ शृंगार**

450. विभाव के दो भेद कौन-से हैं?
→ **आलंबन और उद्दीपन** — चाँदनी, एकांत, ऋतु आदि भाव भड़काने वाले उद्दीपन हैं

451. जिस व्यक्ति या वस्तु के कारण आश्रय के मन में भाव जागे, उसे क्या कहते हैं?
→ **आलंबन विभाव**

452. भाव जागने पर आश्रय की शारीरिक चेष्टाएँ (आँसू, कंपन आदि) क्या कहलाती हैं?
→ **अनुभाव**

453. सात्त्विक अनुभावों की संख्या कितनी है?
→ **आठ** — स्तंभ, स्वेद, रोमांच, स्वरभंग, कंप, वैवर्ण्य, अश्रु, प्रलय

454. 'एक ओर अजगरहि लखि, एक ओर मृगराय' — बीच में फँसा बटोही मूर्च्छित है; कौन-सा रस है?
→ **भयानक रस** — स्थायी भाव भय

455. सूरदास की पंक्ति 'मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो' में कौन-सा रस है?
→ **वात्सल्य रस** — सूरदास को वात्सल्य रस का सम्राट कहा जाता है

456. छंदशास्त्र के आदि आचार्य किसे माना जाता है?
→ **पिंगल मुनि** — ग्रंथ 'छंदःसूत्र'; इसी से छंदशास्त्र को 'पिंगलशास्त्र' कहते हैं

457. मात्रा और वर्ण के आधार पर छंद के दो मुख्य भेद कौन-से हैं?
→ **मात्रिक और वर्णिक** — नियम-मुक्त रचना को मुक्त छंद कहते हैं

458. गुरु वर्ण की कितनी मात्राएँ होती हैं और उसका चिह्न क्या है?
→ **दो मात्राएँ, चिह्न 'ऽ'** — लघु की एक मात्रा, चिह्न '।'

459. 'सत्य' शब्द का पहला वर्ण 'स' मात्रा-गणना में लघु माना जाएगा या गुरु?
→ **गुरु** — संयुक्ताक्षर से पहले का लघु वर्ण गुरु गिना जाता है

460. छंदशास्त्र में गणों की कुल संख्या कितनी है?
→ **आठ** — सूत्र — 'यमाताराजभानसलगा'

461. 'यगण' का मात्रा-स्वरूप क्या है?
→ **।ऽऽ (लघु-गुरु-गुरु)** — सूत्र के 'य-मा-ता' से

462. छंद पढ़ते समय चरण में जहाँ थोड़ा रुकना होता है, उसे क्या कहते हैं?
→ **यति** — प्रवाह को 'गति' कहते हैं

463. दोहे के विषम (पहले और तीसरे) चरणों में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **13 मात्राएँ** — सम (दूसरे-चौथे) चरणों में 11 मात्राएँ

464. दोहा किस प्रकार का छंद है?
→ **अर्धसम मात्रिक छंद** — एक दल में 24, पूरे दोहे में 48 मात्राएँ

465. सोरठा के विषम चरणों में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **11 मात्राएँ** — सम चरणों में 13; सोरठा दोहे का उलटा है

466. चौपाई के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **16 मात्राएँ** — सम मात्रिक छंद; चरणांत में जगण-तगण वर्जित

467. रोला छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **24 मात्राएँ** — यति 11 और 13 मात्राओं पर

468. कुंडलिया छंद किन दो छंदों के मेल से बनता है?
→ **दोहा + रोला** — छह चरण; जिस शब्द से आरंभ, उसी पर समाप्ति

469. हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **28 मात्राएँ** — यति 16-12 पर; अंत में लघु-गुरु

470. गीतिका छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **26 मात्राएँ** — यति 14-12 पर; हरिगीतिका (28) से भ्रमित न हों

471. छप्पय छंद किन दो छंदों से मिलकर बनता है?
→ **रोला + उल्लाला** — पहले चार चरण रोला, अंतिम दो उल्लाला

472. बरवै छंद के विषम और सम चरणों में क्रमशः कितनी मात्राएँ होती हैं?
→ **12 और 7** — तुलसीदास ने 'बरवै रामायण' इसी छंद में लिखी

473. मनहरण कवित्त के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं?
→ **31 वर्ण** — वर्णिक छंद; यति 16-15 पर, अंत में गुरु

474. सवैया छंद के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं?
→ **22 से 26 वर्ण** — वर्णिक छंद

475. हिंदी में मुक्त छंद का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
→ **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** — 'जूही की कली' इसका प्रसिद्ध उदाहरण

476. 'अलंकार' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
→ **आभूषण (गहना)** — काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्त्व

477. अलंकार के दो मुख्य भेद कौन-से हैं?
→ **शब्दालंकार और अर्थालंकार** — दोनों का मेल 'उभयालंकार' कहलाता है

478. अलंकार संप्रदाय के प्रवर्तक आचार्य कौन माने जाते हैं?
→ **भामह** — ग्रंथ 'काव्यालंकार'

479. अनुप्रास, यमक और वक्रोक्ति किस वर्ग के अलंकार हैं?
→ **शब्दालंकार** — उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि अर्थालंकार हैं

480. 'चारु चंद्र की चंचल किरणें' में कौन-सा अलंकार है?
→ **अनुप्रास अलंकार** — 'च' वर्ण की बार-बार आवृत्ति

481. 'कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय' (बिहारी) में कौन-सा अलंकार है?
→ **यमक अलंकार** — कनक = सोना और धतूरा

482. 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून' में कौन-सा अलंकार है?
→ **श्लेष अलंकार** — 'पानी' के अर्थ — चमक, प्रतिष्ठा, जल

483. 'सुबरन को ढूँढ़त फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर' में 'सुबरन' शब्द से कौन-सा अलंकार है?
→ **श्लेष अलंकार** — सुबरन = सुंदर वर्ण (शब्द), सुंदर रूप, सोना

484. 'काकु' और 'श्लेष' किस अलंकार के दो भेद हैं?
→ **वक्रोक्ति अलंकार** — कहने वाले के अर्थ से सुनने वाला दूसरा अर्थ ले

485. एक ही शब्द एक ही अर्थ में लगातार दोहराया जाए (जैसे 'घूम-घूम'), तो कौन-सा अलंकार है?
→ **पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार**

486. 'पीपर पात सरिस मन डोला' (तुलसीदास) में कौन-सा अलंकार है?
→ **उपमा अलंकार** — 'सरिस' वाचक शब्द है

487. उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं?
→ **चार** — उपमेय, उपमान, साधारण धर्म, वाचक शब्द

488. 'सीता का मुख कमल-सा कोमल है' — इसमें साधारण धर्म क्या है?
→ **कोमल** — मुख उपमेय, कमल उपमान, 'सा' वाचक

489. 'चरण-कमल बंदौं हरि राई' (सूरदास) में कौन-सा अलंकार है?
→ **रूपक अलंकार** — चरण (उपमेय) पर कमल (उपमान) का अभेद आरोप

490. 'मनु', 'जनु', 'मानो', 'जानो' — ये किस अलंकार के वाचक शब्द हैं?
→ **उत्प्रेक्षा अलंकार** — उत्प्रेक्षा = उपमेय में उपमान की संभावना

491. 'मनो नीलमनि सैल पर, आतप पर्यो प्रभात' (बिहारी) में कौन-सा अलंकार है?
→ **उत्प्रेक्षा अलंकार** — पीतांबर ओढ़े श्याम कृष्ण (उपमेय) में नीलमणि पर्वत पर पड़ी प्रभात की धूप (उपमान) की संभावना; वाचक 'मनो'

492. 'हनूमान की पूँछ में लगन न पाई आग, लंका सिगरी जल गई' — कौन-सा अलंकार?
→ **अतिशयोक्ति अलंकार** — बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना

493. 'सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है' में कौन-सा अलंकार है?
→ **संदेह अलंकार** — अंत तक निश्चय नहीं हो पाता

494. जहाँ उपमेय को भ्रम से उपमान ही समझ लिया जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार है?
→ **भ्रांतिमान अलंकार** — संदेह में अनिश्चय, भ्रांतिमान में निश्चित भ्रम

495. 'ज्यों-ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जल होय' (बिहारी) में कौन-सा अलंकार है?
→ **विरोधाभास अलंकार** — काले रंग में डूबकर उजला होना — विरोध का आभास

496. 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निसान' — अलंकार?
→ **दृष्टांत अलंकार** — कवि वृंद; दोनों पंक्तियों में बिंब-प्रतिबिंब भाव

497. 'नहिं पराग नहिं मधुर मधु... अली कली ही सों बँध्यो' (बिहारी) में कौन-सा अलंकार है?
→ **अन्योक्ति अलंकार** — भौंरे-कली के बहाने राजा जयसिंह को संदेश

498. जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार है?
→ **व्यतिरेक अलंकार**

499. उपमा का उलटा — जहाँ उपमान को उपमेय बना दिया जाए — कौन-सा अलंकार है?
→ **प्रतीप अलंकार**

500. जड़ प्रकृति पर मानवीय भावनाओं और क्रियाओं का आरोप किस अलंकार में होता है?

→ **मानवीकरण अलंकार** — पाश्चात्य काव्यशास्त्र से आया (Personification)

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- करुण रस का स्थायी भाव 'शोक' है; वियोग शृंगार में मिलन की आशा बनी रहती है, करुण में वह आशा समाप्त हो जाती है।
- दोहा 13-11 और सोरठा 11-13; गीतिका 26 मात्राएँ, हरिगीतिका 28 मात्राएँ — अंक आपस में न बदलें।
- यमक में एक शब्द बार-बार भिन्न अर्थों में आता है; श्लेष में शब्द एक बार आकर एक साथ अनेक अर्थ देता है।

💡 याद रखने की ट्रिक

गण सूत्र 'यमाताराजभानसलगा' — सूत्र में गण का अक्षर ढूँढ़ो; उसी से शुरू होने वाले तीन अक्षर उस गण का रूप हैं; जैसे 'रा-ज-भा' = रगण ऽ।ऽ, 'भा-न-स' = भगण ऽ।। होता है

SG **रोज़ का करंट अफेयर्स + क्विज़** — Telegram पर फ्री: t.me/studyforgeneralstudies Join करें →

15 हिंदी साहित्य: काल विभाजन, कवि-रचनाएँ, पत्र-पत्रिकाएँ, पुरस्कार

Hindi Sahitya

मूल बात

आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'हिंदी साहित्य का इतिहास' (1929) में हिंदी साहित्य को चार कालों में बाँटा।

आदिकाल (वीरगाथा काल, संवत 1050–1375), पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल, 1375–1700), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल, 1700–1900), आधुनिक काल (गद्यकाल, 1900 से)।

भक्तिकाल की दो धाराएँ — निर्गुण (ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी) और सगुण (रामभक्ति, कृष्णभक्ति)।

501. हिंदी साहित्य का सर्वाधिक मान्य काल-विभाजन किस ग्रंथ में मिलता है?

→ **हिंदी साहित्य का इतिहास (आचार्य रामचंद्र शुक्ल)** — 1929 में प्रकाशित। काल-विभाजन का पहला प्रयास जॉर्ज ग्रियर्सन ने किया था।

502. आचार्य शुक्ल ने आदिकाल को कौन-सा नाम दिया?

→ **वीरगाथा काल**

503. 'आदिकाल' नाम को प्रतिष्ठित करने का श्रेय प्रायः किस विद्वान को दिया जाता है?

→ **आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी** — शुक्लजी ने भी काल-क्रम के आधार पर 'आदिकाल' शब्द लिखा था, पर इसे प्रवृत्तिपरक नाम के रूप में द्विवेदीजी ने ('हिंदी साहित्य का आदिकाल') प्रतिष्ठित किया।

504. शुक्लजी के 'पूर्व मध्यकाल' को सामान्यतः किस नाम से जाना जाता है?

→ **भक्तिकाल** — संवत 1375–1700

505. शुक्लजी का 'उत्तर मध्यकाल' किस काल का दूसरा नाम है?

→ **रीतिकाल** — संवत 1700–1900

506. 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन हैं?

→ **चंदबरदाई** — आदिकाल की प्रसिद्ध रासो रचना।

507. 'बीजक' किस संत कवि की वाणियों का संग्रह है?

→ **कबीर** — इसके तीन भाग — साखी, सबद, रमैनी।

508. कबीर भक्तिकाल की किस शाखा के कवि हैं?

→ **निर्गुण ज्ञानाश्रयी (संत) शाखा**

509. 'पद्मावत' की रचना किसने की?

→ **मलिक मुहम्मद जायसी** — प्रेमाश्रयी (सूफी) शाखा; भाषा अवधी।

510. 'सूरसागर' किस कवि की रचना है?

→ **सूरदास** — कृष्णभक्ति शाखा; भाषा ब्रजभाषा।

511. अष्टछाप की स्थापना किसने की?

→ **गोस्वामी विट्ठलनाथ** — इसमें चार शिष्य वल्लभाचार्य के, चार विट्ठलनाथ के।

512. 'रामचरितमानस' किस भाषा में रचा गया?

→ **अवधी** — रचयिता — गोस्वामी तुलसीदास।

513. 'विनयपत्रिका' किस कवि की रचना है?

→ **तुलसीदास** — भाषा ब्रजभाषा।

514. रीतिकाल के कवि बिहारी की प्रसिद्ध रचना कौन-सी है?
→ **बिहारी सतसई** — दोहा छंद में रचित।

515. 'रामचंद्रिका' और 'रसिकप्रिया' के रचयिता कौन हैं?
→ **केशवदास**

516. 'अंधेर नगरी' नाटक किसने लिखा?
→ **भारतेंदु हरिश्चंद्र** — भारतेंदु को आधुनिक हिंदी गद्य का जनक माना जाता है।

517. 'कविवचन सुधा' पत्रिका किसने निकाली?
→ **भारतेंदु हरिश्चंद्र**

518. हिंदी का पहला समाचार-पत्र कौन-सा माना जाता है?
→ **उदंत मार्तंड (1826)** — कलकत्ता से; संपादक — पं. जुगलकिशोर शुक्ल।

519. 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक महावीर प्रसाद द्विवेदी किस वर्ष से बने?
→ **1903** — पत्रिका स्वयं 1900 में शुरू हुई थी।

520. खड़ी बोली का पहला महाकाव्य माने जाने वाले 'प्रियप्रवास' के रचयिता कौन हैं?
→ **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**

521. 'साकेत' महाकाव्य किसकी रचना है?
→ **मैथिलीशरण गुप्त** — इसमें उर्मिला के विरह को प्रमुखता मिली।

522. छायावाद के चार स्तंभ कौन हैं?
→ **प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा**

523. 'कामायनी' के रचयिता कौन हैं?
→ **जयशंकर प्रसाद**

524. 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं?
→ **15** — पहला सर्ग 'चिंता', अंतिम 'आनंद'।

525. 'राम की शक्तिपूजा' कविता किसने लिखी?
→ **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

526. 'आधुनिक युग की मीरा' किस कवयित्री को कहा जाता है?
→ **महादेवी वर्मा**

527. हिंदी के लिए पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार किसे मिला?
→ **सुमित्रानंदन पंत (1968)** — कृति — 'चिदंबरा'।

528. रामधारी सिंह 'दिनकर' को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?
→ **उर्वशी** — वर्ष 1972

529. महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति पर मिला?
→ **यामा** — वर्ष 1982

530. अज्ञेय को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिलाने वाली कृति कौन-सी है?
→ **कितनी नावों में कितनी बार** — वर्ष 1978

531. 'तार सप्तक' (1943) का संपादन किसने किया?
→ **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'** — इससे हिंदी में प्रयोगवाद की शुरुआत मानी जाती है।

532. 'गोदान' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
→ **प्रेमचंद** — 'उपन्यास सम्राट' कहे जाते हैं।

533. 'हंस' पत्रिका की शुरुआत किसने की?
→ **प्रेमचंद** — वर्ष 1930, बनारस से।

534. प्रसिद्ध कहानी 'उसने कहा था' के लेखक कौन हैं?
→ **चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'**

535. आंचलिक उपन्यास 'मैला आँचल' किसकी रचना है?
→ **फणीश्वरनाथ 'रेणु'**

536. 'मधुशाला' के रचयिता कौन हैं?
→ **हरिवंशराय बच्चन** — हालावाद के प्रमुख कवि।

537. 'अंधा युग' (गीतिनाट्य) किसने लिखा?
→ **धर्मवीर भारती**

538. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के लेखक कौन हैं?
→ **मोहन राकेश** — कालिदास के जीवन पर आधारित।

539. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता किसकी है?
→ **माखनलाल चतुर्वेदी**

540. 'चिंतामणि' निबंध-संग्रह के लेखक कौन हैं?
→ **आचार्य रामचंद्र शुक्ल**

⚠ अक्सर गलती (Trap)

- 'वीरगाथा काल' नाम आचार्य शुक्ल का है, जबकि 'आदिकाल' नाम को प्रतिष्ठित करने का श्रेय हजारीप्रसाद द्विवेदी को दिया जाता है (शुक्लजी ने भी काल-क्रम के लिए 'आदिकाल' लिखा था) — दोनों नाम एक ही काल के हैं।
- 'सरस्वती' पत्रिका 1900 में शुरू हुई, पर महावीर प्रसाद द्विवेदी इसके संपादक 1903 से बने — दोनों वर्ष न मिलाएँ।
- छायावाद के चार स्तंभों में दिनकर या बच्चन नहीं आते — दिनकर राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा के, बच्चन हालावाद के कवि हैं।

💡 याद रखने की ट्रिक

छायावाद के स्तंभ: 'प्र-पं-नि-म' — प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।

SG **रोज़ का करंट अफेयर्स + क्विज़** — Telegram पर फ्री: t.me/studyforgeneralstudies Join करें →

अब खुद को परखें

540 one-liners पढ़ लिए? अब असली परीक्षा जैसे माहौल में अभ्यास करें — वही 120 प्रश्न, वही +3/−1, वही विषय-भार।

UP Assistant Teacher (PRT) 2026 — Mock Test Series

- 12 फुल-लेंथ मॉक (120 प्रश्न · 360 अंक · 2 घंटे)
- 12 विषय-वार सेक्शनल — हिंदी, संस्कृत, English, बाल मनोविज्ञान, शिक्षण कौशल...
- हर महीने करंट अफेयर्स टेस्ट
- हर प्रश्न की व्याख्या + विषय-वार विश्लेषण · हिंदी और English दोनों में

Mock 1 + बाल मनोविज्ञान सेक्शनल बिल्कुल FREE · पूरा पास ₹129 / 1 वर्ष

Free Mock 1 दें ₹129 Pass लें

studyforgs.com/tests.html?exam=upprt

Telegram
t.me/studyforgeneralstudies — रोज़ करंट अफेयर्स + क्विज़

YouTube
@Study_ForGS — लेक्चर और रिवीज़न

यह PDF StudyForGS.com द्वारा तैयार मूल अध्ययन सामग्री है और मुफ्त बाँटने के लिए है — इसे बेचें नहीं। किसी त्रुटि की सूचना: info@studyforgs.com। यह UPESSC का आधिकारिक प्रकाशन नहीं है।